दक्षिण मध्य क्षेत्र सांस्कृतिक केन्द्र, नागपुर
SOUTH CENTRAL ZONE CULTURAL CENTRE, NAGPUR
MINISTRY OF CULTURE, GOVT. OF INDIA

मध्य-दक्षिणी वार्तापत्र

{ अप्रैल से जुलाई 2018 }

 www.facebook.com/SCZCC/ www.twitter.com/SCZCC?lang=en www.instagram.com/sczcc.nagpur/

निदेशक का मनोगत

दक्षिण मध्य क्षेत्र सांस्कृतिक केंद्र में संचालक के तौर पर दिनांक १८ अप्रैल २०१८ को मैंने कार्यभार संभाला। इसलिए मैं सर्वप्रथम महाराष्ट्र के महामहिम राज्यपाल महोदय, केंद्रीय सांस्कृतिक मंत्री - नई दिल्ली, तथा केंद्र के कार्यक्रम समिति के अध्यक्ष एवं महाराष्ट्र के सांस्कृतिक मंत्री इनका मैं हृदय से आभारी हूँ। मुझे अत्यंत हर्ष है की, महानिर्मिति इस संस्था में तकनीकी काम संभालने के पश्चात अब कला क्षेत्र में कार्य करने का मौका मुझे मिला है। इस मौके को भुनाने का मैं पूरा प्रयास करूँगा।इस केंद्र के अधीन इस समय महाराष्ट्र, मध्यप्रदेश, छत्तीसगढ़, आँध्रप्रदेश, कर्नाटक और तेलंगाना ये ६ राज्य आते हैं, इस कारण काम और आशाएं भी अधिक हैं।

फिलहाल द. म. क्षे. सांस्कृतिक केंद्र में अनुभव सिद्ध कर्मचारी कार्यरत हैं। विगत कई वर्षों से यहाँ सेवारत होने से सबको कामकाज की सम्पूर्ण जानकारी है। मैंने सभी को आवाहन किया है कि, हम सब मिलजुलकर कार्य करेंगे एवं नागपुर के सांस्कृतिक वैभव में विशेष योगदान देंगे। सभी कर्मियों से मिलने वाला प्रतिसाद भी उत्साहवर्धक है।

सभी पारंपारिक एवं अप्रचलित कलाओं का पुनरुत्थान, आदिवासी नृत्य प्रकारों को प्रोत्साहन, महाराष्ट्र के पोवाड़ा - लावणी - भारुड़ - जोगवा - वाघ्या मुरळी - दंढार - झाड़ीपट्टी ऐसे सांस्कृतिक वैभव का दर्शन अन्य राज्यों को करवाना, तथा अन्य राज्यों के लुप्तप्राय हो रहे कलागुणों को महाराष्ट्र में बढ़ावा देने की मेरी मंशा हैं।

इसी प्रकार अभिजात भारतीय संगीत, नाटयसंगीत, लोककला, चित्रकला, मूर्तिकला - पेंटिंग, छायाचित्रकला, उपशास्त्रीय गीतप्रकार इनका भी जतन होना चाहिए तथा स्थानीय कलाकारों को मंच उपलब्ध किया जाना चाहिए। गडचिरोली, बस्तर जैसे दुर्गम प्रदेश के कलाकारों को न्याय मिलना आवश्यक है। इस उद्देश्य से सबको कार्यवाही करनी चाहिए, ऐसा मेरा कार्यक्रम अधिकारियों को आवाहन है।

कलाक्षेत्र में काम करते हुए केंद्र के प्रत्येक कार्यक्रम में वृद्ध एवं वरिष्ठ कलाकारों का सम्मान, केंद्र की उत्तम वेबसाइट तैयार करना, केंद्र की जानकारी देनेवाली डॉक्यूमेंट्री फिल्म बनाना, केंद्र की पुरानी ईमारत का पुनर्निर्माण करना, फिलहाल केंद्र द्वारा आयोजित सभी लोकप्रिय कार्यक्रमों के स्तर में बेहतरी एवं संख्या में बढ़ोतरी करना तथा अनजान, उपेक्षित कलाकारों को प्रोत्साहन देना ऐसी विविधरूपी कार्यशैली विकसित करने का हमारा प्रयास रहेगा।

उच्च स्तर प्राप्त इस सांस्कृतिक केंद्र को राष्ट्रीय - अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर पहचान मिलें इसे उद्देश्य से हम सभी हमेशा प्रयासरत रहेंगे। राष्ट्रनिर्माण में सांस्कृतिक क्षेत्र का महत्व अनन्यसाधारण है। इसीलिए हम सबको इस सांस्कृतिक केंद्र का अभिन्न अंग होकर राष्ट्रनिर्माण के पवित्र कार्य में अपना योगदान देना हैं। इस हेतु सभी को मेरी हृदय से शुभकामनायें।

डॉ. दीपक खिरवडकर
निदेशक,
दमक्षेसां. केंद्र, नागपूर

द.म.क्षे.सां. केंद्र द्वारा आयोजित / सहभागिता वाले कार्यक्रम तथा उनकी झलकियाँ

'आनंदम' - मासिक योग शिविर का आयोजन अप्रैल, मई, जून, जुलाई माह के दौरान प्रति दिन प्रात: ६:३० से ७:३० के बींच दक्षिण मध्य क्षेत्र सांस्कृतिक केंद्र मुख्यालय परिसर में किया गया। इस शिविर को नागरिकों द्वारा उत्तम प्रतिसाद मिल रहा है, तथा योगकला का जतन भी हो रहा है।

एप्रिल – 2018

मासिक नाट्यप्रयोग

अ] एकलव्य - बघेली नाटक

१. केंद्र के 'मासिक नाटचप्रयोग' कार्यक्रम अंतर्गत दिनांक २१ अप्रैल २०१८ को 'एकलव्य - बघेली' थियेटर की प्रस्तुति इंद्रावती नाटचसमिति, सीधी (म. प्र.) इनके द्वारा शिल्पग्राम खजुराहो, (मध्यप्रदेश) की गयी। इस नाटचप्रयोग में २० कलाकारों ने भुमिका निभाई।

ब] मधुकर शाह - बुंदेली नाटक

२. इसी प्रकार दिनांक २२ अप्रैल २०१८ को 'मधुकर शाह - बुंदेली नाटक' की प्रस्तुति अन्वेषण थियेटर समूह, सागर (म.प्र.) इनके द्वारा 'शिल्पग्राम' खजुराहो, (मध्यप्रदेश) में की गई। इसी नाटयकृति में ३१ कलाकारों ने भाग लिया। कार्यक्रम के उद्घाटन सत्र में विख्यात अभिनेता श्री. गोविन्द नामदेव (बुंदेली नाटक निर्देशक), श्री. नीरज कुंदर (निर्देशक, इंद्रावती नाटयसमिति), श्री. बृजेश सिंग (वरिष्ठ मार्गदर्शक, इंडिया टुरिझम) आदि मान्यवर उपस्थित थे।

मई 2018

१. दिनांक २ से ७ मई २०१८ के दौरान इंदौर (म.प्र.) में 'मालवा उत्सव' का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम में 'कोळी नृत्य' (महाराष्ट्र) - श्री. अरविंद राजपूत और २० कलाकारों का समूह, 'गुसाडी' (तेलंगाना) - श्री. डॉ. टी. मल्लेशम और १४ कलाकारों का समूह, 'पंथी नृत्य' (छत्तीसगढ) - श्री. मोहन चतुर्वेदी और १५ कलाकारों का समूह, 'सुग्गी कुनिथा' (कर्नाटक) - श्री. पी. गौडा और १५ लोगों का समूह ऐसे विविध प्रादेशिक नृत्य प्रस्तुत किये गए। इस कार्यक्रम का आयोजन लोक संस्कृति मंच द्वारा किया गया।

२.दिनांक ४ से ६ मई २०१८ के दौरान ग्रीष्मकालीन फोटोग्राफी शिविर का आयोजन द.म.क्षे.सां. केंद्र मुख्यालय, नागपुर में किया गया। युवक और किशोरवयीन प्रशिक्षणार्थियों ने इस शिविर में बड़ी संख्या में बढ़-चढ़कर हिस्सा लेकर फोटोग्राफी के गुर सीखे। इस शिविर में सेल्फी खींचने से लेकर शादी का विडियो बनाने तक सभी विषयों पर मार्गदर्शन किया गया।

३. भारत और स्विट्ज़रलैंड के बीच मित्र संबंधों के ७० वर्ष पूरे होने के उपलक्ष्य में दिनांक ७ मई २०१८ को केंद्र मुख्यालय, नागपूर में द.म.क्षे.सां. केंद्र व निर्झर सिनेक्लब इनके संयुक्त तत्वावधान में 'स्विस फिल्म्स ऑन व्हील्स' इस कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस समय अलेन गस्पोनेर द्वारा निर्देशित 'हेईदी' नामक १०५ मिनिट की फिल्म, प्रोजेक्टर के माध्यम से केंद्र परिसर के खुले मंच 'मुक्तांगण' पर दिखाई गयी। इस कार्यक्रम को रसिक-श्रोता बड़ी संख्या में उपस्थित थे। .

४. दिनांक २२ से २५ मई २०१८ के दौरान इम्फाल (मणिपुर) में आयोजित २६ वें 'राष्ट्रीय सर्वसामाजिक गुरु पूजा' कार्यक्रम में केंद्र द्वारा श्री. एम. बंजारे इनके नेतृत्व में १५ लोगों के समुह द्वारा छत्तीसगढ का 'पंथी नृत्य' प्रस्तुत किया गया। तथा श्री. पप्पू धुर्वे इनके नेतृत्व में १५ कलाकारों के समुह द्वारा मध्यप्रदेश का 'गुदुम बाजा' नृत्य प्रस्तुत किया गया।

५. संस्कृति मंत्रालय, भारत सरकार एवं उत्तर क्षेत्र सांस्कृतिक केंद्र, पटियाला इनके संयुक्त तत्वावधान में 'राष्ट्रीय संस्कृति महोत्सव' का आयोजन गढवाल (उत्तराखंड) में २५ ते २७ मई २०१८ के दौरान किया गया। इस महोत्सव में केंद्र द्वारा 'महाराष्ट्रीयन हस्तकला तथा व्यंजनों का प्रदर्शन एवं बिक्री स्टॉल' लगाये गए थे।

६. बहुजन रंगभूमी की ओर से 'नाटक एवं फिल्म अभिनय कार्यशाला' का आयोजन २७ मई से १ जून २०१८ के दौरान केंद्र मुख्यालय, नागपूर में किया गया। इस कार्यशाला में ५५ कलाकारों ने हिस्सा लिया।

७. दिनांक २७ से ३१ मई २०१८ के दौरान केंद्र मुख्यालय, नागपूर में 'कत्थक कार्यशाला' का आयोजन किया गया। इस कार्यशाला में श्रीमती संध्या पांडे-भार्गव (दिल्ली) इन्होने प्रशिक्षणार्थियों को मार्गदर्शन किया। कुल ८५ प्रशिक्षणार्थियों ने इस कार्यशाला में हिस्सा लिया एवं कत्थक नृत्य की बारीकियों का अभ्यास किया।

जून – 2018

१. दिनांक २ से ३ जून २०१८ के दौरान मेनेझेस ब्रागन्झा, पणजी (गोवा) में कर्नाटकी 'होर्नाडु' फेस्टिव्हल का आयोजन किया गया। दिनांक २ जून को धारवाड़ (कर्नाटक) के श्री. मृथ्युन्जय अगाड़ी और समूह का 'वाचनगायन', रामनगर (कर्नाटक) के श्री. बेवुर रमय्या और समूह का 'लोकगीत', बेलगाँव (कर्नाटक) के श्रीमती राधाबाई मदारा एवं समूह के 'चॉवडीके गीत', कर्नाटक से श्री. मंजूनाथ और समूह का 'तमातेवदन', श्री. मदेश और समूह का 'पूजा कुनीथा', श्रीमती गायत्री और समूह का 'पाटा कुनीथा', श्री. नवीन डीसी और समूह का 'कोलाटा', श्री. एम. जी. मंजूनाथ का 'कांगिलु नृत्य', श्री. सी. मंजूनाथ और समूह का 'नगरीवादन', श्री. शिवलिंगाप्पा और समूह का 'सोमण कुनीथा', श्री. भीमराया भजंत्री और समूह का 'कराडी मजलू' एवं श्रीमती लिली सिद्धी और समूह का 'सिद्धी दमाणी नृत्य' इनकी प्रस्तुति हुयी। .

२. दिनांक ३ जून को कर्नाटक के श्री. पुट्टराजु एवं समूह का 'थियेटर गान', श्री. आंबयानुल्ली एवं समूह का 'सुगम संगीत', कर्नाटक के श्री. ब्यादरल्ली शिवकुमार और समूह द्वारा 'लोकगीते', श्रीमती महादेवी देवरावर और समूह का 'जिगीपाडा', श्री. गुंडू राजू और समूह का 'तोगालु गोमबेयाता', श्री मनोजकुमार और समूह का 'संबळ वादन', श्री. मंजाप्पा और समूह का 'दोल्लू कुनिथा', श्री. लोकेश और समूह का 'कोंबू कहाले', कुमारी एल. एम. संगीथा और समूह का 'महिला वीरागेस', श्रीमती. शारदा और समूह का 'चिंदुडी नृत्य', श्री. उमेश और समूह का 'गुमटे पंग', श्री. गुरुचरण और समूह का 'कांगिलु नृत्य', श्री. बाळकृष्ण मूर्थी और समूह का 'चिट मेला', श्री. शिवराज रामण्णा और समूह का 'कराडीमाजलू', श्री. अशोक कुमार और समूह का 'कामसेल नृत्य' एवं श्री. शिकारी रामू और समूह द्वारा 'हक्कीपिक्कीकुनीथा' की प्रस्तुति हुयी।

३. दिनांक ५ जून २०१८ विश्व पर्यावरण दिवस के अवसर पर द.म.क्षे.सां. मुख्यालय, नागपुर में श्रीमती नंदाताई जिचकार (महापौर, नागपुर शहर), सौ. कांचन गडकरी (अध्यक्ष - संस्कार भारती, नागपुर), सौ. ज्योति बावनकुळे (समाजसेविका) एवं मा. गिरीश गांधी, अध्यक्ष द वनराई इनके करकमलों से वृक्षारोपण हुआ। तथा दिनांक ६ जून २०१८ को शिवराज्यभिषेक वर्षगाँठ पर कु. स्वरा ठेंगडी ने शिवाजी महाराज के राज्याभिषेक का मनोहारी दृश्य एकांकिका के माध्यम से प्रस्तुत किया।

४ दिनांक ५ जून २०१८ केंद्र मुख्यालय, नागपुर में दो दिवसीय व्यंगचित्र प्रदर्शनी का आयोजन किया गया। इस प्रदर्शनी को कलाकार एवं रसिक तथा नगरजनों का उत्तम प्रतिसाद मिला।

५. दिनांक १३ से १७ जून २०१८ के दौरान केंद्र मुख्यालय, नागपुर में 'मिट्टी शिल्पकला प्रशिक्षण कार्यशाला' का आयोजन किया गया। कार्यशाला का उद्घाटन श्री. किरण पांडे, श्री. गिरीश गांधी तथा अन्य मान्यवर अतिथियों के करकमलों से हुआ। कार्यशाला के संचालक के रूप में विख्यात मिट्टी शिल्पकार श्री. चंद्रकांत चकोले इन्होने प्रशिक्षणार्थियों को मार्गदर्शन किया। कुल १४० उम्मीदवारों ने इस कार्यशाला में सहभागिता दर्शायी।

६. दिनांक १९ जून २०१८ को द.म.क्षे.सां केंद्र, नागपूर एवं रेणूकादेवी मंदिर संस्थान, माहुरगड (जिला - नांदेड) इनके संयुक्त तत्वावधान में माहुरगढ पर 'गोंधळ महोत्सव' का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का उद्‌घाटन श्री. चंद्रकांत घरोटे तथा यवतमाळ के मान्यवर अतिथियों के शुभ करकमलों द्वारा हुआ। इस कार्यक्रम में परभणी के श्री. भारत कदम और समूह ने गोंधळ, भारुड, जागर यह पारंपारीक कला देवी मंदिर सभागृह में प्रस्तुती की गयी। इस दौरान प्रसिद्ध नृत्यगुरु सौ. स्वाति भालेराव के शिष्यवर्ग ने अपना नृत्याविष्कार भी प्रस्तुत किया।

७. दिनांक २१ जून २०१८ को समूचे देश की तरह द.म.क्षे.सां केंद्र मुख्यालय, नागपुर में भी चौथा अंतर्राष्ट्रीय 'योग दिवस' उत्साह से मनाया गया। रामनगर, नागपुर स्थित जनार्दन स्वामी योगाभ्यासी मंडल के श्री. घनश्याम प्रसाद वर्मा तथा केंद्र के संचालक डॉ. दीपक खिरवडकर इनके करकमलों से दीप प्रज्वलन कर कार्यक्रम का उद्घाटन हुआ। कार्यक्रम में कुल १५० नगरजनों ने हिस्सा लेकर योग की विविध मुद्रायें और आसनों का अभ्यास किया।

८ .दिनांक २३ व २४ जून २०१८ केंद्र मुख्यालय, नागपुर यहाँ 'वारली पेंटींग कार्यशाला' का आयोजन किया गया। कार्यशाला में मुख्य मार्गदर्शक के रूप में राष्ट्रीय स्तर के चित्रकार श्री. विजय बिस्वाल और अन्य मान्यवर अतिथियों के करकमलों से कार्यशाला का उद्घाटन हुआ। कार्यशाला में शामिल प्रशिक्षणार्थींयों ने साडी, पेपर- बॅग्स एवं कागज पर आकर्षक वारली पेंटिंग्स बनाई।

९. दिनांक २० जून २०१८ को केंद्र मुख्यालय, नागपूर में द.म.क्षे.सां. केंद्र व ह्यूमन्स ऑफ गोंडवाना इनके संयुक्त तत्वावधान में गडचिरोली जिले की लोककला एवं आदिवासी संस्कृती से संबंधित चित्र प्रदर्शनी तथा लोकनृत्य के 'जोहार' कार्यक्रम का आयोजन किया गया। यहाँ चित्र प्रदर्शनी के साथ ही कलाकारों ने 'रेला रे' इस आदिवासी नृत्य कि आकर्षक प्रस्तुति दी। उल्लेखनीय है की, इस नृत्य में रसिक श्रोताओं ने भी बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया।

जुलाई – 2018

१. दिनांक ८ जुलाई २०१८ नागपुर के स्थानीय वरिष्ठ कलाकारों के सत्कार कार्यक्रम का आयोजन द.म.क्षे.सां. केंद्र मुख्यालय हॉल में किया गया। केंद्रीय भूपृष्ठ एवं जलमार्ग परिवहन मंत्री मा. श्री. नितिन गडकरी के शुभ करकमलों से कलाक्षेत्र को समर्पित कलाकारों को सम्मानित किया गया। इस आयोजन में पूर्व सांसद श्री. दत्ता मेघे, ‘वनराई’ संस्था के अध्यक्ष एवं पूर्व विधायक मा. श्री. गिरीश गांधी, केंद्र के निदेशक डॉ. दीपक खिरवडकर आदी मान्यवर उपस्थित थे। मान्यवर अतिथियों के करकमलों से ‘संगीत वैभव’ इस पुस्तक का अनावरण भी किया गया।

२. पुणे शहर के विख्यात चित्रकार चिंतामणी हसबनीस की अभिनव कल्पना एवं निर्मिती दिव्यांगों के लिए (विशेष बालक) 'ऑडिओ टॅक्टईल चित्र प्रदर्शनी' का आयोजन दिनांक १४ से १६ जुलाई २०१८ दौरान द.म.क्षे.सां. केंद्र मुख्यालय, नागपुर में किया गया। इस प्रदर्शनी का उदघाटन अभिनव पद्धती से नागपुर शहर की मा. महापौर सौ. नंदाताई जिचकार, उत्तर नागपुर के विधायक मा. डॉ. मिलिंद माने एवं द.म.क्षे.सां. केंद्र के निदेशक डॉ. दीपक खिरवडकर इन्होने किया। प्रदर्शनी को दिव्यांग बालक, नगरजन एवं रसिक श्रोताओं का उत्तम प्रतिसाद मिला। दिव्यांग (अंध) व्यक्ती भी पेंटिंग्स का लुत्फ़ उठायें, इसलिए हर पेंटींग पर ब्रेल लिपी में उसका वर्णन किया गया था। इस अभिनव एवं नवीनतम उपक्रम की उपस्थित लोगों ने जमकर सराहना की।

३. दिनांक २२ जुलाई २०१८ को आषाढ़ी एकादशी के उपलक्ष्य में 'विठ्ठल नामाचा रे टाहो' यह भक्तिगीतों के कार्यक्रम का आयोजन द.म.क्षे.सां. केंद्र की ओर से साईंटिफिक सभागृह, लक्ष्मीनगर नागपुर में किया गया। आषाढी एकादशी के अवसर पर आयोजित इस कार्यक्रम का उद्घाटन महाराष्ट्र विधानपरिषद के विधायक मा. श्री अनिल सोले एवं केंद्र निदेशक डॉ. दीपक खिरवडकर इनके करकमलों से हुआ। कार्यक्रम के दौरान श्रोतागण अखंड भक्तिरस से सराबोर हुए। केंद्र के कार्यक्रम समिति के सदस्य श्री. कुणाल जैन गडेकर इस समय प्रमुखता से उपस्थित थे।

४. दिनांक २५ जुलै २०१८ को विख्यात संगीतकार एवं गायक स्व. श्री सुधीर फडके उर्फ 'बाबूजी' की जन्मशताब्दी पर उन्हें श्रद्धांजली देने हेतु साईंटिफिक सभागृह, नागपुर में 'तुझे गीत गाण्यासाठी' इस संगीत कार्यक्रम का आयोजन द.म.क्षे.सां. केंद्र की ओर से किया गया। इस कार्यक्रम में सुविख्यात गायक श्री. श्याम देशपांडे एवं स्थानिक गायक कलाकारों ने स्व. सुधीर फडके द्वारा संगीतबद्ध कि गयी सुमधुर रचनाएं प्रस्तुत की। कार्यक्रम का उद्घाटन महाराष्ट्र विधानपरिषद के विधायक मा. श्री. अनिल सोले ने किया। इस समय केंद्र निदेशक डॉ. दीपक खिरवडकर एवं अन्य मान्यवर उपस्थित थे।

५. प्रसिद्ध शास्त्रीय गायक एवं संगीतकार स्व. डॉ. वसंतराव देशपांडे की स्मृतिप्रीत्यर्थ विगत २६ वर्षों से निरंतर आयोजित हो रहे 'डॉ. वसंतराव देशपांडे स्मृती संगीत समारोह' का भव्य आयोजन दिनांक २८ से ३० जुलाई २०१८ के दौरान द.म.क्षे.सां. केंद्र की ओर से किया गया। यह समारोह डॉ. वसंतराव देशपांडे स्मृति सभागृह, सिविल लाईन्स, नागपुर में संपन्न हुआ। इस समारोह का २७ वाँ वर्ष था। समारोह में शास्त्रीय गायन, वादन एवं संगीत-नाटक की प्रस्तुतियों का रसिक-श्रोताओं ने भरपूर आनंद लिया।

अ] प्रथम सत्र - दि. 28 जुलाई 2018

समारोह का उदघाटन कार्यक्रम को मुख्य अतिथि की तौर पर उपस्थित मा. श्री राजीव रानडे (अतिरिक्त कार्यकारी निदेशक - एनएडीटी), मा. श्री. अनिल सोले (विधायक - महा. विधानपरिषद) इनके शुभ करकमलों से दीपप्रज्वलन हुआ। इस समय द.म.क्षे.सां. केंद्र के निदेशक डॉ. दीपक खिरवडकर उपस्थित थे। इसके उपरांत मुख्य अतिथींयों ने नागपुर के स्थानीय वरिष्ठ कलाकारों के सत्कार कार्यक्रम में पं. चंद्रहास जोशी (जेष्ठ गायक एवं संगीतकार) तथा श्री. राजू गुजर (वरीष्ठ तबलावादक) इन्हें सम्मानित किया।

कार्यक्रम का आरम्भ श्री. किशोरी हम्पीहोळी एवं उनकी पुत्री तथा शिष्य कु. कामाक्षी हम्पीहोळी और कु. सोनाक्षी डोंगरे इनकी द्वारा भरतनाटयम शैली में प्रस्तुत गणेशवंदना एवं शारदास्तावन से हुआ। नागपुर की श्रीमती रेणुका देशकर इनकी संकल्पना से साकार 'सामवेदातून संगीत' कार्यक्रम में अंतर्राष्ट्रीय ख्याति की शास्त्रीय गायिका आरती अंकलीकर-टिकेकर इन्होने अपनी उत्कृष्ट प्रस्तुति से रसिक-श्रोताओं को मंत्रमुग्ध किया। उन्हें रुद्रवीणा पर हुबली की ज्योति हेगड़े, संवादिनी पर नागपुर के श्री. श्रीकांत पिसे, तबले पर नागपुर के ही पं. संदेश पोपटकर, परभणी के श्री. पलसकर गुरूजी (ऋचा गायन) इनका समुचित सहयोग मिला। डॉ. सुजाता व्यास इन्होने इस कार्यक्रम के लिए लेखन एवं संशोधन किया तथा संगीत संयोजन श्री. शैलेश दाणी इनके द्वारा किया गया।

२७ वाँ डॉ. वसंतराव देशपांडे
स्मृति संगीत समारोह
27th Dr. Vasantrao Deshpande
Smruti Sangeet Samaro
28th, 29th ... 30th July 2018, Nagpu

ब] द्वितीय सत्र – दि. 29 जुलाई 2018

समारोह के द्वितीय दिवस का उद्‌घाटन मा. श्री. मनीष पितळे (न्यायमूर्ती, नागपूर खंडपीठ - मुंबई उच्च न्यायालय), पं. छबुराव भरणे (वरिष्ठ तबलावादक) इनके करकमलों से हुआ। इसके उपरांत नागपुर के स्थानीय वरिष्ठ कलाकारों के सत्कार कार्यक्रम में श्रीमती नंदिनी सहस्रबुद्धे (वरिष्ठ सितार वादक), श्री. जगदीश टेकाडे (वरिष्ठ सितार वादक) एवं श्रीमती शुभदा पेंढरकर (वरिष्ठ महिला दिलरुबा वादक) इन्हे सम्मानित किया गया।

आज के कार्यक्रम की शुरुवात में पुणे की विख्यात शास्त्रीय गायिका सावनी शेंडे - साठये इन्होने विविध रागों में बंदिशें प्रस्तुत कर कार्यक्रम में रंग भरे।उन्हें पं. अरुण गवई इन्होने तबले पर तथा संदीप गुरमुळे इन्होने संवादिनी पर सहयोग दिया। सावनी शेंडे - साठये इनकी मैफिल के बाद कोलकाता के आंतर्राष्ट्रीय ख्याती प्राप्त तबलावादक पं. शुभंकर बॅनर्जी का एकल तबला वादन हुआ। उन्हें श्री. हिरण्मय मित्र ने संवादिनी पर संगत की। पं. बॅनर्जी के बनारस शैली में तबलावादन से रसिक-श्रोताओं को मंत्रमुग्ध कर दिया।

क] तृतीय सत्र – दि. 30 जुलाई 2018

समारोह के समापन कार्यक्रम दिवस पर श्री. चन्द्रगुप्त वर्णेकर, श्री. निवासजी वर्णेकर एवं श्री. अमोल बावडेकर इन प्रमुख अतिथियों के शुभ करकमलों से दीप प्रज्वलन हुआ। इसके पश्चात् वरिष्ठ कलाकारों के सत्कार कार्यक्रम में अंतर्राष्ट्रीय स्तर के वरिष्ठ चित्रकार श्री. प्रमोद बाबू रामटेके, छत्तीसगढ के लोककला तथा नाट्य कलाकार श्री. हेमंत वैष्णव एवं महिलाओं की संगीत संस्था 'स्वराली' की निदेशिका सौ. नंदिनी सहस्त्रबुद्धे इन्हें सम्मानित किया गया।

आज के कार्यक्रम में स्वातंत्र्यवीर सावरकर लिखित एवं मुंबई मराठी साहित्य संघ द्वारा प्रस्तुत 'संन्यस्त खड्ग' इस मराठी संगीत नाटक का मंचन हुआ। आकर्षक मुद्राभिनय तथा उत्तम संवादशैली से कलाकारोंने रसिक-श्रोताओं के दिल जीते। कथाप्रवाह में आनेवाले 'मर्मबंधातली ठेव ही', 'नारी विधी', 'माळ गुंफीताना', 'शतजन्म शोधिताना' इन सुविख्यात नाटचपदों को अपने श्रवणीय स्वर में गाकर अभिनेता अमोल बावडेकर तथा अभिनेत्री संपदा माने इन्होंने रसिक-श्रोताओं की वाहवाही लूटी। सद्य नाटकृति का निर्देशन श्री. प्रमोद पवार इन्होने तथा संगीत मा. दीनानाथ इनका था। प्रमुख भूमिकाओं में भारत चव्हाण (गौतम बुद्ध), संदीप सोमण (सेनापति विक्रम सिंह), आनंद पालव (राजा शुद्धोधन), संपदा माने (सुलोचना), अमोल बावडेकर (वल्लभ) आदी कलाकारों ने अभिनय किया।

इस प्रकार डॉ. वसंतराव देशपांडे के ३५ वें पुण्यस्मरण पर २७ वें डॉ. वसंतराव देशपांडे स्मृती संगीत समारोह का यशस्वी समापन हुआ। इस समारोह को इस वर्ष रसिक-श्रोताओं की बड़ी संख्या में उपस्थिति रही एवं सभी ने इस महोत्सव की दिल से सराहना की।

इस महोत्सव की यशस्विता हेतु केंद्र के सर्वश्री दिपक कुळकर्णी, प्रेमस्वरूप तिवारी, गोपाल बेतावर, शशांक दंडे, दिपक पाटील इन कार्यक्रम अधिकारीयों के साथ उपनिदेशक मोहन पारखी एवं अन्य कर्मचारीयों ने भी बहुत परिश्रम किया।

समाप्त

संकल्पना एवं मार्गदर्शन :
डॉ. दीपक खिरवडकर,
((निदेशक, दक्षिण मध्य क्षेत्र सांस्कृतिक केंद्र, नागपूर)

लेखन एवं संरचना :
श्री. स्वप्नील बाळकृष्ण भोगेकर,
(माध्यम एवं प्रसारण विभाग, द.म.क्षे.सां. केंद्र, नागपूर)

फोटोग्राफी :
श्री. गजानन शेळके
(माध्यम व प्रसारण विभाग, द.म.क्षे.सां. केंद्र, नागपूर)

मुखपृष्ठ एवं ग्राफ़िक्स डिजाईन :
श्री. मुकेश गणोरकर
(शारदा कंसल्टंसी सर्विसेस प्रा. लिमिटेड)